Catch-Up Course

सेतु–सामग्री

कक्षा–IV एवं V

विषय–पर्यावरण और हम

सहयोग– बिहार शिक्षा परियोजना परिषद्, बिहार
अकादमिक सहयोग– यूनिसेफ, बिहार

राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद् बिहार, पटना द्वारा विकसित

पर्यावरण और हम

शिक्षकों के लिए निर्देशः–

आप सभी अवगत हैं कि पिछले लगभग 10 माह से कोविड–19 के कारण विद्यालयों में बच्चों का पठन–पाठन सहित अन्य शैक्षणिक कार्य बाधित रहा है, जिसके कारण उनके सीखने की प्रक्रिया में बाधा उत्पन्न हो गई है। इस लंबे और त्रासद अंतराल ने इस दौरान सीखने के अपेक्षित अवसरों को खास कर विद्यालय में, कम कर दिया जिसके कारण बच्चों में Learning Gap बढ़ गया हैं। अतः ये आवश्यक और अपेक्षित है कि इस Learning Loss या Gap को कर दिया जाय। शिक्षा से जुड़े विभिन्न हितधारकों से व्यापक विचार–विमर्श के उपरांत राज्य स्तर पर यह निर्णय लिया गया है कि बच्चों के सीखने–सिखाने की प्रक्रिया को गति प्रदान करने और उनमें अगली कक्षा की दक्षताओं के प्रति तत्परता उत्पन्न हो सके, इसके लिए अगले तीन महीनों (60 कार्य दिवसों) के लिए कोविड काल से संबंधित कक्षा के लिए अधिगम प्रतिफलों के आलोक में विषय वस्तु को इस तरह तार्किक और संतुलित रूप से कम करते हुए प्रस्तुत किया जाय कि Learning Loss या Gap को कम किया जा सके। इसके लिए 60 कार्य दिवसों की सेतु–सामग्री (Catch up Course) विकसित करते हुए 'पर्यावरण और हम' पाठ्य पुस्तक से उन सामग्रियों/विषय वस्तुओं/गतिविधियों की पहचान की गई जिनके माध्यम से बच्चो के Learning Loss या Gap को कम करते हुए अपेक्षित अधिगम प्रतिफल सुनिश्चित कर उन्हें अगली कक्षा के लिए तैयार और तत्पर किया जा सकेगा। वस्तुतः चिह्नित सामग्री, विषय वस्तु, गतिविधियाँ, क्रियाकलाप तथा शिक्षण रणनीति पूर्व और अगली कक्षा के लिए सेतु का कार्य करेंगी।

विकसित सेतु–सामग्री (Catchp up Course) तथा चयनित विषय वस्तु के आलोक में बच्चों में अपेक्षित अधिगम प्रतिफल सुनिश्चित हो सके इस हेतु निम्न तथ्यों को ध्यान में रखा जाना अपेक्षित है।

- कोविड–19 की सुरक्षा से संबंधित सभी विभागीय निर्देशों एवं प्रावधानों का पूर्णतः सावधानी से अनुपालन किया जाए।
- सेतु–सामग्री कुल 60 कार्य दिवसों के लिए विकसित किया गया है।
- चयनित विषय–वस्तु में 'पर्यावरण और हम' की पाठ्यपुस्तक वर्ग 3, 4 तथा 5 के लगभग 10 से 12 पाठ लिए गए हैं।
- पाठों के चयन का आधार अधिगम प्रतिफल और पाठ्यपुस्तक में शामिल 6 प्रकरण (Themes) हैं यथाः– परिवार और मित्र, भोजन, आवास, जलयात्रा, तथा चीजों का निर्माण। सभी प्रकरण (Themes) से संबंधित पाठों की पहचान और चयन करने का प्रयास किया गया है।
- चिह्नित पाठों से संबंधित अधिगम प्रतिफल या सीखने के प्रतिफल कैलेंडर से संबंधित पाठ के साथ दिये गये हैं।
- सभी चिह्नित पाठों के लिए अधिगम संकेतक दिये गए हैं, जिसके आलोक में बच्चों में अधिगम सुनिश्चित किया जाना अपेक्षित हैं।
- पुनः सभी पाठों के साथ बच्चों में सहज अधिगम सुनिश्चित किए जाने को ध्यान में रखते हुए उससे संबंधित कुछ सुझावात्मक प्रक्रियाएँ दी गई है, जिनका उपयोग कक्षा–कक्ष प्रक्रिया में किया जाएगा। ध्यान रहे ये प्रक्रिया मात्र सुझाव है न कि अंतिम। आप पाठ से संबंधित

नवाचारी प्रक्रियाओं का उपयोग करके अपनी प्रस्तुति को और भी सुगम बनाते हुए बच्चों के सीखने–सिखाने की प्रक्रिया को सहज और आकर्षक बना सकते हैं।

- प्रत्येक पाठ से संबंधित गतिविधियाँ, क्रियाकलाप संबंधी जानकारी अंकित किया गया हैं।
- सभी चिह्नित पाठों से संबंधित सीखने–सिखाने की प्रक्रिया को पूरा करने के लिए दिनों की संख्या भी सुझाई गई है, जिसे ध्यान में रखा जाना चाहिए।
- सीखने–सिखाने की प्रक्रिया में बच्चों को बातचीत करने, अपने अनुभवों को साझा करने और जहाँ तक संभव हो स्वयं से कर के सीखने का पर्याप्त अवसर दिया जाना अपेक्षित है। इससे बच्चों को कोविड–19 के कारण हुए विविध आघात (Trauma) और संबंधित दुष्प्रभावों से बाहर निकालने में मदद मिलेगी, बच्चे सहज हो सकेंगे।
- यह ध्यान रखा जाना आवश्यक है कि बच्चे पूरी शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया में मानसिक और शारीरिक रूप से सहज बने रहे। सम्पूर्ण शैक्षिक प्रक्रिया आनंददायक, रोचक एवं दबावमुक्त हो।

आशा है कि शिक्षक अपने प्रयास से पर्यावरण अध्ययन को सरल और रोचक बना सकेंगे तथा बच्चे अधिगम प्रतिफल की सम्प्राप्ति कर सकेंगे।

गिरिवर दयाल सिंह
निदेशक
राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार पटना

पर्यावरण और हम

कक्षा-IV

(कक्षा–3 के बच्चे जो सत्र 2021–22 में कक्षा–4 में पढ़ रहे हैं, उनके लिए 60 कार्य दिवसों की पाठ्य सामग्री का सारांश)

अधिगम प्रतिफल	पाठ का नाम
• परिवेश में पाये जाने वाले पेड़–पौधों की पत्तियों, तनों एवं छाल को उनकी सामान्य विशेषताएँ यथा– आकार, रंग, बनावट व गंध के आधार पर तथा जीव–जंतुओं/पशु–पक्षियों को उनके आवागमन के तरीकों, वास–स्थान, भोजन–संबंधी आदतों, शारीरिक बनावट एवं आवाज के आधार पर पहचानते हैं।	• जीव–जंतुओं की दूनिया • रंग–बिरंगे पंख • पेड़ पौधों से दोस्ती • पत्ता हूँ मैं हरा–हरा
• परिवार के आपसी संबंधों को समझते हैं। • मौखिक/लिखित/अन्य तरीकों से परिवार के सदस्यों की भूमिका, परिवार का प्रभाव एवं साथ रहने की आवश्यकता का वर्णन करते हैं।	• चाचा की शादी • हमारा परिवार
• विभिन्न आयु–वर्ग के व्यक्तियों, जीव–जंतुओं, और पेड़–पौधों के लिए पानी तथा भोजन की उपलब्धता एवं घर तथा परिवेश में पानी के उपयोग का वर्णन करते हैं।	• तरह–तरह के भोजन • पानी
• अपने घर/विद्यालय/आसपास की वस्तुओं, संकेतों (बरतन, चूल्हे, यातायात, संप्रेषण के साधन इत्यादि) स्थानों (विभिन्न प्रकार के घर/आश्रय आदि), को पहचानते हैं। • चित्र, डिजाइन, नमूनों, प्रतिरूपों, वस्तुओं से ऊपर से, सामने से और बगल से दृश्यों, सरल मानचित्रों (कक्षा–कक्ष, घर, विद्यालय के भागों के) और नारों तथा कविताओं आदि की रचना करते हैं।	• घर को जानें • किस ओर क्या • स्कूल के आस–पास

शैक्षणिक सत्र 2021–22 के लिए तीन महीनों की सेतु–सामग्री (Cactch up Course)

कक्षाः– 4 (कक्षाः– 3 के बच्चे जो सत्र 2021–22 में कक्षा चार में पढ़ रहे है उनके लिए 60 कार्य दिवस की सामग्री)

कक्षाः– 4 विषयः– पर्यावरण और हम

अधिगम प्रतिफल Learning Outcomes	अध्याय एवं शिक्षण बिंदु Chapters and teaching points	अधिगम संकेतक Learning Indicators	सुझावात्मक प्रक्रिया Suggestive process	अवधि(दिनों में) Duration (in Days)
• परिवार के सदस्यों के आपसी संबंधों को समझते हैं। • परिवार के सदस्यों की भूमिका, परिवार का प्रभाव(गुणों, लक्षणों, आदतों, व्यवहार) एवं साथ रहने की आवश्यकता का वर्णन करते हैं।	1. चाचा की शादी 2. हमारा परिवार **शिक्षण बिंदु** • रिश्ते–नाते • आपसी संबंध • परिवार, परिवार की संरचना एवं भूमिका • पारिवारिक वंशावली • परिवार के सदस्यों के कार्य/व्यवसाय	**बच्चेः–** • परिवार के अन्य सदस्यों के साथ अपने संबंधों को बतलाते हैं। • परिवार के सदस्य का एक–दूसरे सदस्य के साथ संबंध को बताते हैं। • निकट एवं दूर के रिश्तेदारों को पहचानते हैं। • विवाह एवं जन्म के बाद बने रिश्तों को बताते हैं। • परिवार की संरचना एवं प्रकार के बारे में जानते हैं/बताते हैं। • परिवार की उपयोगिता एवं आवश्यकताओं को समझते हैं। • पारिवारिक वंशावली बनाते हैं। • परिवार के विभिन्न सदस्यों का दूसरे सदस्य के साथ संबंध बताते हैं। • अपने रिश्तेदारों के काम तथा उनकी भूमिका पर चर्चा करते हैं। • घरेलू या अन्य कामों में एक–दूसरे का सहयोग करते हैं। • अपने संबंधों के प्रति सजग एवं संवेदनशील होते हैं।	**शिक्षक/शिक्षिका– बच्चो से/कोः–** • शिक्षक द्वारा 'चाचा की शादी' कविता का सस्वर पाठ करना तथा बच्चों से कराना। • बड़े समूह में परिवार के सदस्यों के नाम/काम आदि पर बातचीत करना/कराना। • छोटे–छोटे समूहों में परिवार के भिन्न–भिन्न सदस्यों के नाम एवं काम पर चर्चा/बातचीत करना/कराना। • नानी घर/दादी घर/विवाहित बहन–भाई से विकसित नये संबंधों को नाम के साथ सूचीबद्ध करना। • परिवार के विभिन्न सदस्यों के नाम एवं उनके काम को सूचीबद्ध करना। • पारिवारिक वंशावली बनवाना। • पाठ में आई कविताओं या ऐसी अन्य कविताएँ/गीत जिनमें रिश्ते–नाते का जिक्र हो, उन पर बातचीत करना। • पारिवारिक संबंधों/व्यवहारों पर बच्चों का अनुभव साझा करना, यथाः– माँ को मैया, अम्मा, अम्मी, माय, पिता की बहन को फुआ, बुआ, दइया आदि कहकर बुलाना। • पारिवारिक संबंधों पारिवारिक सदस्यों के काम उनकी भूमिका से संबंधित रोल प्ले कराना। • एक–दूसरे की भूमिका को अदल–बदलकर रोल प्ले करवाना, रोल प्ले के बाद विभिन्न सदस्यों की भूमिका पर चर्चा करना।	10 दिन

अधिगम प्रतिफल Learning Outcomes	अध्याय एवं शिक्षण बिंदु Chapters and teaching points	अधिगम संकेतक Learning Indicators	सुझावात्मक प्रक्रिया Suggestive process	अवधि(दिनों में) Duration (in Days)
• अपनी निजी जिदंगी और परिवेश पर आधारित अनुभवों को साझा करते हैं। • परिवेश में पाए जाने वाले जीव–जंतुओं/पशु/पक्षियों को उनकी सामान्य विशेषताओं यथा– आकार, रंग, बनावट, व गंध के आधार पर पहचानते हैं।	3.जीव–जंतुओं की दुनिया 4.रंग–बिरंगे पंख **शिक्षण बिंदु** • परिवेश में पाए जानेवाले पशु–पक्षी, कीड़े–मकोड़े, पालतू जीव–जन्तु/जंगली जीव–जन्तु/शाकाहारी –मांसाहारी जीव • जीव–जंतुओं की विशेषताएँ • जीवों में प्रचलन • परिवेश में पाए जानेवाले पक्षी • पक्षियों की शारीरिक बनावट • विभिन्न पक्षियों की चोंच • आवाज के आधार पर पक्षियों की पहचान। • वर्ष पर्यंत या मौसम विशेष में पाए जाने वाले पक्षी। • विलुप्त/लुप्तप्राय पक्षी • पक्षियों का भोजन/आवास	**बच्चे** • घर में पाए जाने वाले जीवों को पहचानते हैं। • घर के बाहर, पास–पड़ोस में रहनेवाले जीवों के नाम बताते हैं। • जीव–जन्तुओं के नामों को सूचीबद्ध करते हैं। • जमीन और जल में रहने वाले जीव–जंतुओं एवं पक्षियों को अलग–अलग वर्गीकृत करते हैं। • पेड़–पौधों पर रहनेवाले जीवों को सूचीबद्ध करते हैं। • पालतू पशु–पक्षियों के बारे में परिचर्चा/बातचीत करते हैं। • मांसाहारी और शाकाहारी जीवों को सूचीबद्ध करते हैं। • परिवेश में दिखनेवाले पक्षियों को पहचानते हैं। • भिन्न–भिन्न पक्षियों की चोंच की बनावट/संरचना को जानते हैं। • आवाज के आधार पर पक्षियों को पहचानते है। • भिन्न–भिन्न पक्षियों की आवाज निकालते हैं।	**शिक्षक/शिक्षिका– बच्चो से/कोः–** • बड़े समूह में बच्चों से जीव–जंतुओं तथा पक्षियों के बारे में बातचीत करना। • व्यक्तिगत रूप से जीवों का सूचीकरण करवाना। • जीव–जंतुओं तथा पक्षियों के चित्र बनवाना। • छोटे समूहों में जीव–जंतुओं एवं पक्षियों का वर्गीकरण करवाना। • पेड–पौधों/तालाब आदि में रहनेवाले जीव–जंतुओं एवं पक्षियों का सूची बनवाना। • बड़े समूह में पक्षियों की बोली से संबंधित गतिविधि करवाना। • (चिड़ियाँ फुर्र) गतिविधि करवाना। • भिन्न–भिन्न पक्षियों के रंगों के बारे में बातचीत करना। • कम दिखाई देने वाले या नहीं दिखाई देने वाले पक्षियों की सूची बनवाना।	10 दिन

अधिगम प्रतिफल	अध्याय एवं शिक्षण बिंदु	अधिगम संकेतक	सुझावात्मक प्रक्रिया	अवधि(दिनों में)
Learning Outcomes	Chapters and teaching points	Learning Indicators	Suggestive process	Duration (in Days)
• परिवेश में पाए जानेवाले पेड़–पौधों की सामान्य विशेषताओं को जानते हैं। • पेड़–पौधों का जीवन में उपयोगिता की समझ रखते हैं।	5.पेड़–पौधों से दोस्ती 6.पत्ता हूँ मैं हरा–हरा **शिक्षण बिंदु** • परिवेश में पाए जाने वाले पेड़–पौधे। • पौधों का आकार–प्रकार, बनावट • पौधों की उपयोगिता • फलदार पौधे • पेड़–पौधों पर जीव–जंतुओं की निर्भरता • पत्तियों के आधार पर पेड़–पौधों की पहचान • आकार–प्रकार के आधार पर पत्तियों का वर्गीकरण • पत्तियों की उपयोगिता	**बच्चे** • परिवेश में पाए जानेवाले पेड़–पौधों को पहचानते हैं। • परिचित पेड़–पौधों के नाम बताते हैं। • अपरिचित पेड़–पौधों के बारे में बातचीत करते हैं। • तने की मोटाई के आधार पर पेड़–पौधों को वर्गीकृत करते हैं। • लंबाई के आधार पर पेड़–पौधों का वर्गीकरण करते हैं। • फलदार पौधों के नाम बताते हैं। • भिन्न–भिन्न गुणधर्मों के आधार पर पेड़–पौधों/पत्तियों का समूह बनाते हैं। • पेड़–पौधों/पत्तियों आदि की बनावट, उत्पत्ति के बारे में प्रश्न करते हैं। • पेड़–पौधों/पत्तियों की उपयोगिता के बारे में बातचीत करते हैं। • पेड़–पौधों के संरक्षण के बारे में बताते हैं। • विभिन्न प्रकार के पौधों एवं उनके खाये जाने वाले हिस्से। • पौधों के विभिन्न अंगों के चित्र बनाते हैं। • पत्तियों और बीजों के आधार पर पौधों का पहचान करते हैं।	**शिक्षक/शिक्षिका– बच्चो से/कोः–** • बड़े समूह में पेड़–पौधों पर बातचीत करना। • पत्ता हूँ मैं हरा–हरा, कविता का अभिनय के साथ सस्वर पाठ करवाना। • बच्चों के साथ आस–पास भ्रंमण कर पेड़–पौधों के आकार–प्रकार/लंबाई, तने की मोटाई आदि के बारे में बातचीत करना/सूचनाओं को दर्ज करवाना। • गिरी पत्तियों को संकलित करवाना और उसका नाम लिखवाना/चित्र बनवाना। • पत्तियों के बनावट के आधार पर समूहीकृत करवाना। • छोटे–छोटे समूहों में उपयोगिता के आधार पर पत्तियों का वर्गीकरण करवाना। • पत्तियों का चित्र बनवाना। • विभिन्न प्रकार की पत्तियों के सहारे भिन्न–भिन्न प्रकार की आकृतियों को बनवाना। • पौधों के खाये जानेवाले हिस्सों के आधार पर उनका समूहीकरण करवाना। जैसेः– बीज– पत्ती– फल– फूल– जड़– • अलग–अलग पौधों के विभिन्न अंगों के चित्र बनवाना। • खायी जानेवाली विभिन्न प्रकार की पत्तियों की सूची बनवाना।	10 दिन

अधिगम प्रतिफल	अध्याय एवं शिक्षण बिंदु	अधिगम संकेतक	सुझावात्मक प्रक्रिया	अवधि(दिनों में)
Learning Outcomes	Chapters and teaching points	Learning Indicators	Suggestive process	Duration (in Days)
• विभिन्न आयुवर्ग के व्यक्तियों के भोजन एवं उनकी स्रोत का वर्णन करते हैं।	7. तरह–तरह के भोजन **शिक्षण बिंदु** • स्थानीय भोजन एवं भोजन की विविधता • विशेष अवसर के भोजन/स्थान विशेष का भोजन • भोजन का स्रोत • कच्चा और पका हुआ भोजन • भोजन संबंधी आदतें। • भोजन बनाने का तरीका एवं जिम्मेदारी • भोजन बनाने हेतु उपयोगी बरतन, ईंधन एवं चूल्हे	**बच्चे** • स्थानीय/पारंपरिक भोज्य पदार्थो के नाम बताते हैं। • भिन्न–भिन्न अवसरों पर खाये जानेवाले भोज्य पदार्थों को जानते हैं। • भिन्न–भिन्न स्थानों के मुख्य भोजन एवं प्रसिद्ध भोज्य पदार्थों के नाम बताते हैं। • पेड़–पौधों/जीव–जन्तुओं को भोजन के स्रोत के रूप में जानते हैं। • भिन्न–भिन्न अनाजों से बननेवाले भिन्न–भिन्न भोज्य पदार्थों के नाम बता सकते हैं। • घर में भोजन पकाने एवं अन्य संबंधित कार्यो को करने के लिए उत्तरदायी सदस्यों को जानते हैं। • भोजन पकाने संबंधी कार्यों में लैंगिक भेदभाव पर बातचीत करते हैं। • भोजन पकाने हेतु उपयोगी बरतनों के नाम जानते हैं तथा उनके उपयोग के बारे में बताते हैं। • भोजन पकाने के लिए भिन्न–भिन्न प्रकार के चूल्हों तथा ईंधनों के बारे में बता सकते हैं। • नहीं खत्म होनेवाले/खत्म होनेवाले ईंधन पर बातचीत करते हैं। • परिवेश में पाये जानेवाले	**शिक्षक/शिक्षिका– बच्चो से/को:–** • समूह में भिन्न–भिन्न प्रकार के भोज्य पदार्थों पर चर्चा करना। • समूहों में पर्व विशेष पर बनाये तथा खाये जाने वाले विशेष भोज्य पदार्थों पर बातचीत करना। • समूहों में विभिन्न प्रकार के भोजन एवं उनके प्राप्ति स्रोतों पर चर्चा करवाना। • भिन्न–भिन्न पौधों के खाये जानेवाले विभिन्न अंगों के बारे में चर्चा करना। • भोजन पकाने के विभिन्न तरीकों पर चर्चा करवाना। • बड़े समूह में भोजन पकाने के लिए उत्तरदायी परिवार के सदस्य और उनके द्वारा भोजन संबंधी किये जाने वाले अन्य कार्यो पर चर्चा/बातचीत करना। • भोजन पकाने संबंधी लैंगिक भेदभाव पर चर्चा। • भोजन पकाने के बरतनों की सूची तथा चित्र बनवाना एव उनके उपयोग पर चर्चा करना। • भोजन पकाने–खाने में साफ–सफाई स्वच्छता की आवश्यकता और उनके लाभ पर चर्चा करना। • भोजन पकाने हेतु उपयोगी ईंधनों एवं उनके प्रकार पर बातचीत करना एवं उनकी सूची बनवाना। • ईंधन के संरक्षण तथा नहीं खत्म हो सकने वाले ईंधनों पर बातचीत करना।	5 दिन

		जीव–जन्तुओं के आहार के बारे में बता सकते हैं। ● भोजन पकाने तथा खाने के क्रम में साफ–सफाई तथा स्वच्छता आदि के महत्व को बताते हैं।		
अधिगम प्रतिफल	अध्याय एवं शिक्षण बिंदु	अधिगम संकेतक	सुझावात्मक प्रक्रिया	अवधि(दिनों में)
Learning Outcomes	Chapters and teaching points	Learning Indicators	Suggestive process	Duration (in Days)
● अपने घर/विद्यालय/आस–पास की वस्तुओं, स्थानों एवं गतिविधियों (लोगों के कार्य, खाना बनाने की प्रक्रिया आदि) को पहचानते हैं।	10.घर को जाने **शिक्षण बिन्दु** ● आवास ● घर के प्रकार ● आवास निर्माण में लगनेवाली सामग्री ● घर की आवश्यकता ● घर की विभिन्न हिस्से– छत, खिड़की, दरवाजा, रोशनदान आदि की उपयोगिता	**बच्चे** ● घर के बारे में बताते हैं। ● घरों के प्रकार के बारे में बातचीत करते हैं, जैसे– मिट्टी का घर/पक्का का घर/फूस का घर और खपरैल वाला घर। ● घर की जरूरतों के बारे में बताते हैं। ● किसी घर के विभिन्न हिस्सों जैसे– खिड़की, रोशनदान, दरवाजा, आलमारी आदि के महत्व को बताते हैं। ● घर बनाने में लगनेवाली सामग्री जैसे– ईंट, मिट्टी, गारा, सीमेंट, छड़, आदि की चर्चा करते हैं। ● दिव्यांगों के प्रति संवेदनशील होते हैं तथा उनके लिए रैम्प एवं अन्य सुविधाओं के बारे में बताते हैं।	**शिक्षक/शिक्षिका– बच्चो से/को:–** ● बड़े समूहों में घरों की जरूरत/प्रकार आदि पर बातचीत करना। ● छोटे समूहों में विभिन्न प्रकार के घरों एवं उसमें लगनेवाली सामग्रियों पर परियोजना कार्य कराना। ● घर के विभिन्न हिस्सों के बारे में बड़े समूह में बातचीत तथा छोटे समूहों में उनके कार्यो के बारे में लिखवाना। ● घर का चित्र बनवाना, मिट्टी दियासलाई, कार्ड बोर्ड आदि की सहायता से घर बनवाना। ● विभिन्न प्रकार की खिड़कियों/दरवाजों के चित्र बनवाना। ● दिव्यांगों के लिए घरों में आवश्यक सुविधाओं पर बातचीत करना।	5 दिन

अधिगम प्रतिफल	अध्याय एवं शिक्षण बिंदु	अधिगम संकेतक	सुझावात्मक प्रक्रिया	अवधि(दिनों में)
Learning Outcomes	Chapters and teaching points	Learning Indicators	Suggestive process	Duration (in Days)
• साफ–सफाई एवं स्चच्छता के महत्व को बताते हैं। • साफ–सफाई एवं स्वच्छता संबंधी आदतों को अपनाते हैं।	11.दीपावली की तैयारी **शिक्षण बिन्दु** • स्वच्छता • साफ–सफाई • व्यक्तिगत सफाई • परिवेश की सफाई • स्वच्छ आदतें	**बच्चे** • व्यक्तिगत साफ–सफाई का ध्यान रखते हैं। • अपने आस–पास, घर बैठने की जगह आदि को साफ–सुथरा करते हैं। • साफ–सफाई के प्रति दूसरे को भी सचेष्ट करते हैं। • गंदगी/कचरा कम–से–कम या नहीं फैलाते हैं तथा कचरा को यथास्थान फेंकते हैं।	**शिक्षक/शिक्षिका– बच्चो से/कोः–** • बड़े समूह में स्वच्छता, साफ–सफाई पर चर्चा करना। • व्यक्तिगत सफाई जैसे– स्नान करना, नाखून काटना, बाल संवारना, आदि कार्य करवाना। • वर्ग कक्ष/परिसर की सफाई बच्चों के साथ मिलकर करना तथा सफाई के पूर्व और बाद की स्थिति पर चर्चा करना। • स्वच्छता/साफ–सफाई हेतु सम्मानित करना।	5 दिन
अधिगम प्रतिफल	अध्याय एवं शिक्षण बिंदु	अधिगम संकेतक	सुझावात्मक प्रक्रिया	अवधि(दिनों में)
Learning Outcomes	Chapters and teaching points	Learning Indicators	Suggestive process	Duration (in Days)
• आगे–पीछे, दायें–बायें की समझ रखते हैं। • बच्चे दिशाओं का ज्ञान रखते हैं। • नजरी नक्शा द्वारा किसी भी स्थान को दिखाते हैं। • नजरी नक्शा बनाते हैं।	12.किस ओर क्या 13स्कूल के आस–पास **शिक्षण बिन्दु** • सामने/आगे–पीछे/दायें–बायें का ज्ञान • दिशाएँ • पास–पड़ोस का अमानक मानचित्रण	**बच्चे** • अपने सामने, आगे–पीछे, दायें–बायें रखी वस्तुओं के बारे में बताते हैं। • विभिन्न दिशाओं एवं वहाँ अवस्थित चीजों के बारे में बातचीत करते हैं। • सूरज के सामने खड़े होकर अथवा दिशाओं की ओर चेहरा करके खड़े होने के बाद विभिन्न दिशाओं को बताते हैं।	**शिक्षक/शिक्षिका– बच्चो से/कोः–** • आगे–पीछे/दायें–बायें रखी वस्तुओं की समझ विकसित करना। • वर्ग–कक्ष के बाहर सूर्य के सामने खडे होकर दिशाओं का ज्ञान कराना। • छोटे समूह में विद्यालय के आसपास का नजरी नक्शा बनवाना। • छोटे समूहों में बच्चों द्वारा घर से विद्यालय तक का नजरी नक्शा बनवाना।	10 दिन

Catch-Up Course

सेतु–सामग्री

कक्षा–V

विषय–पर्यावरण और हम

सहयोग– बिहार शिक्षा परियोजना परिषद्, बिहार
अकादमिक सहयोग– यूनिसेफ, बिहार

राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद् बिहार, पटना द्वारा विकसित

कक्षाः– 5 विषयः– पर्यावरण और हम

(कक्षाः– 4 के बच्चे जो सत्र 2021–22 में कक्षाः– 5 में पढ़ रहे हैं, उनके लिए 60 कार्य दिवसों की पाठ्य–सामग्री का सारांश)

अधिगम प्रतिफल	पाठ का नाम
• परिवेश में पाए जाने वाले फूलों, जड़ों तथा फलों के आकार, रंग, गंध तथा उनके अन्य सामान्य लक्षण क्या हैं, जानते और पहचानते हैं। • पशु–पक्षियों, पेड़–पौधों वस्तुओं को उनके अवलोकन योग्य लक्षणों, प्रवृत्तियों, उपयोग, गुणों आदि के आधार पर समूहों में बाँटते हैं।	• रंग–बिरंगे खिलते फूल • हरियाली और हम • जड़ों की पकड़
• पशु–पक्षियों की विशिष्टताओं, जैसेः– चोंच, दाँत, पंजे, कान, रोम, घोंसला, रहने के स्थान आदि को पहचानते हैं। • विभिन्न जीवों का समूह में व्यवहार तथा पक्षियों द्वारा घोंसला बनाने की प्रक्रिया का वर्णन करते हैं।	• कोई देता अंडे, कोई देता बच्चे • हड़बड़ में गड़बड़ • तरह–तरह के पक्षी • जंगल में पिकनिक
• विस्तृत कुटुंब में अपने तथा परिवार के अन्य सदस्यों के आपसी रिश्तों को पहचानते हैं। • परिवार में जन्म, विवाह, स्थानांतरण आदि से होनेवाले परिवर्तनों की व्याख्या करते हैं।	• जब मामा जी घर आए • छठ पर्व और बच्चे
• दैनिक आवश्यकताओं की वस्तुओं (जैसेः– भोजन, जल, वस्त्र) के उत्पादन तथा स्रोत से घर तक पहुँचने की प्रक्रिया का वर्णन करते हैं। • परिवार/विद्यालय/पास–पड़ोस में व्याप्त रूढ़िवादी सोच (पसंद, निर्णय लेने/समस्या निवारण संबंधी सार्वजनिक स्थलों के उपयोग जल, मध्याह्न भोजन/सामूहिक भोज) संबंधी मुद्दों का अवलोकन करते हैं तथा इन मुद्दों पर अपनी बात कहते हैं।	• त्योहार और भोजन • स्वाद अलग–अलग
• दैनिक जीवन के विभिन्न कौशल युक्त कार्योंः– खेती, भवन–निर्माण, कला, शिल्प आदि का वर्णन करते हैं।	• तरह–तरह के घर • अजय जब गाँव लौटे

शैक्षणिक सत्र 2021–22 के लिए तीन महीनों की सेतु सामग्री (Catch up Course)

कक्षाः– 5 (कक्षाः– 4 के बच्चे जो सत्र 2021–22 में कक्षाः– 5 में पढ़ रहे हैं उनके लिए 60 कार्य दिवस)

कक्षाः– 5 विषयः– पर्यावरण और हम

अधिगम प्रतिफल **Learning Outcomes**	अध्याय एवं शिक्षण बिंदु **Chapters and teaching points**	अधिगम संकेतक **Learning Indicators**	सुझावात्मक प्रक्रिया **Suggestive process**	अवधि(दिनों में) **Duration (in Days)**
• परिवेश में पाए जानेवाले फूलों, जड़ों तथा फलों के आकार, रंग, गंध तथा उनके अन्य सामान्य लक्षण को जानते और पहचानते हैं।	1. रंग–बिरंगे खिलते फूल 6. हरियाली और हम 7. जड़ों की पकड़ **शिक्षण बिन्दु** • परिवेश के पेड़–पौधें। • पेड़–पौधे के आकार–प्रकार (तने एवं लंबाई के आधार पर) • उपयोगिता • फलदार पौधे • पेड़–पौधों पर जीव–जन्तुओ की निर्भरता • पत्तियों का वर्गीकरण • पेड़–पौधों की देखभाल • पेड़–पौधों के नहीं रहने से हानियाँ • पेड़–पौधों में सिंचाई की आवश्यकता • जड़ों के कार्य • पेड़–पौधों में जड़ों द्वारा जल का परिवहन।	**बच्चेः–** • अलग–अलग रंग के फूलों के नाम बताते हैं। • फूलों को उसकी खुशबू से पहचानते हैं। • पानी में खिलनेवाले फूलों को बताते हैं। • जंगली एवं परिवेश में उगने वाले पेड़–पौधों को सूचीबद्ध करते हैं। • उपयोगिता के आधार पर पेड़–पौधों का वर्गीकरण करते हैं। • पेड़–पौधों के कम होने या नहीं रहने से होनेवाली कठिनाइयों का वर्णन करते हैं। • जड़ों द्वारा पानी ग्रहण करने की प्रक्रिया को प्रयोग द्वारा सिद्ध करते हैं। • संरचना के आधार पर जड़ों का सामान्य तौर पर वर्गीकरण करते हैं। • उपयोगिता के आधार पर विभिन्न प्रकार की जड़ों को सूचीबद्ध करते हैं।	**शिक्षक / शिक्षिका– बच्चों से / कोः–** • पौधे, लता, झाड़ी, पेड़ आदि के आधार पर फूलों का वर्गीकरण। • पेड़–पौधों के नहीं रहने से होनेवाली हानियाँ या असुविधाओं पर बातचीत करना। • पेड़–पौधों द्वारा पानी ग्रहण करने में जड़ो की भूमिका पर बातचीत करना। • विद्यालयी परिवेश के इर्द–गिर्द विभिन्न प्रकार के पौधों की जड़ों का अवलोकन करवाना (उखाड़कर, छूकर, देखकर)	14 दिन

अधिगम प्रतिफल **Learning Outcomes**	अध्याय एवं शिक्षण बिंदु **Chapters and teaching points**	अधिगम संकेतक **Learning Indicators**	सुझावात्मक प्रक्रिया **Suggestive process**	अवधि(दिनों में) **Duration (in Days)**
• पशु–पक्षियों का आवागमन के तरीके, उनके वास–स्थान, भोजन संबंधी आदतों को जानते हैं। • पशु–पक्षियों की विशिष्टताओं जैसेः– चोंच, दांत, पंजे, कान, रोम, घोंसला, रहने का स्थान आदि को पहचानते हैं।	2. कोई देता अंडे कोई देता बच्चे 3. हड़बड़ में गड़बड़ 17.तरह–तरह के पक्षी 18.जंगल में पिकनिक **शिक्षण बिन्दु** • पक्षियों के पंजों एवं चोंच की बनावट। • भोजन एवं आवास • विलुप्त व विलुप्तप्राय पक्षी • जानवरों द्वारा अपने बच्चों की देखभाल • अंडे एवं बच्चे देनेवाले जीवों की पहचान। • पशु–पक्षियों के शरीर पर बाल और कान की स्थिति तथा बच्चे–अंडों के बीच का संबंध • जंगली और पालतू जानवर • जानवरों की उपयोगिता, देखभाल एवं दुर्व्यवहार • जानवरों का स्वभाव	बच्चेः– • परिवेश में पाये जानेवाले पक्षियों के नाम बताते है एवं पहचानते हैं। • घर के बाहर, पास–पड़ोस में रहनेवाले जीवों के नाम बताते हैं। • जमीन और जल में रहने वाले जीव–जंतुओं को अलग–अलग वर्गीकृत करते हैं। • मांसाहारी और शाकाहारी जीवों को अलग–अलग सूचीबद्ध करते हैं। • कान और बाल के आधार पर जीव–जंतुओं द्वारा अंडे या बच्चे जनने के बीच के संबंध को खोजते हैं। • पक्षियों की चोंच उनकी खाने की आदतों में कैसे सहायता प्रदान करती होगी, इस पर चर्चा करते हैं और अपनी राय रखते हैं। • पक्षियों के खाने की आदत और उनके वास–स्थान के बीच के संबंध को स्थापित करते हैं। • पक्षियों की चोंच और उनकी बनावट में अंतर क्यों होता है, स्पष्ट करते है/विवरण दे सकते हैं। • पशुओं की सहायता से चलनेवाले वाहनों के नाम बताते हैं। • विभिन्न पशुओं के स्वभाव और पारस्परिक व्यवहार के बारे में बातचीत करते हैं।	**शिक्षक/शिक्षिका– बच्चों से/कोः–** • बाल और कान के दिखाई देने तथा नहीं दिखाई देने के आधार पर अंडे और बच्चों को जन्म देनेवाले जीव–जंतुओं के संबंध के बारे में चिंतन के लिए प्रोत्साहित करना। • जंगली और पालतु जानवरों को वर्गीकृत करवाना। • जीव–जंतु के साथ किये जाने वाले व्यवहार का अवलोकन और इसके सही और गलत पर बातचीत करना। • बड़े समूहों में जीव–जंतुओं के अंडों एवं बच्चो पर चर्चा का अवसर उपलब्ध करवाना। • जीव–जंतुओं के नामों को सूचीबद्ध करवाना। • अंडे एवं बच्चे देने के आधार पर जीवों की सूची का वर्गीकरण करवाना। • दाँत के साथ और बिना दाँत के जन्म लेनेवाले जीवों के नाम को सूचीबद्ध करवाना।	16 दिन

			• शरीर पर बाल दिखाई देने रहने और नहीं रहने के आधार पर सूचीबद्धों जीवों का वर्गीकरण करवाना। • पक्षियों के चोंच पर बातचीत करवाना। • पक्षियों का चित्र बनवाना। • पक्षियों से संबंधित कहानियाँ, पहेलियाँ, सूनना–सुनाना। • जंगली एवं पालतु जानवरों को सूचीबद्ध एवं वर्गीकृत करवाना। • पाठ के अंत में दिए गये परियोजना कार्य को करवाना।	

अधिगम प्रतिफल	अध्याय एवं शिक्षण बिंदु	अधिगम संकेतक	सुझावात्मक प्रक्रिया	अवधि(दिनों में)
Learning Outcomes	**Chapters and teaching points**	**Learning Indicators**	**Suggestive process**	**Duration (in Days)**
• विभिन्न त्योहारों या उत्सवों पर बनाए जाने वाले खाद्य सामग्रियों के बारे में बताते हैं। • भोजन की प्रक्रिया में जीभ(स्वाद) एवं दाँत के महत्व	4.त्योहार और भोजन 5.स्वाद अलग–अलग **शिक्षण बिन्दु** • भोजन बनाने के तरीके और भोजन बनाने संबंधी जिम्मेदारी। • बरतन, ईंधन, चूल्हे आदि के विभिन्न प्रकार	• स्थानीय/पारंपरिक भोज्य पदार्थो के नाम बताते हैं। • भिन्न–भिन्न अवसर पर खाये जानेवाले भोज्य पदार्थों को जानते हैं। • भिन्न–भिन्न अनाजों से बननेवाले भिन्न–भिन्न भोज्य पदार्थों के नाम बता सकते हैं। • भोजन पकाने संबंधी कार्यों में लैंगिक भेदभाव पर बातचीत करते हैं। • भोजन पकाने तथा खाने के क्रम में साफ–सफाई तथा स्वच्छता आदि के महत्व को बताते हैं।	• बड़े समूह में भिन्न–भिन्न प्रकार के भोज्य पदार्थ पर चर्चा करना। • पर्व विशेष पर खाये जानेवाले विशेष भोज्य पदार्थों पर चर्चा करना। • छोटे समूहों में भिन्न–भिन्न प्रकार के भोजन एवं उनके प्राप्ति स्रोतों पर समूह कार्य करवाना।	10 दिन

को बता पाते हैं।	• जीभ और स्वाद • दांत का महत्व और प्रकार	• क्षेत्रीय पर्व और उन अवसरों पर बननेवाले खास व्यंजनो/पकवानों के बारे में चर्चा करते हैं/खोज करते हैं। • शादी/विवाह में बननेवाले भोजन के बारे में बात करते हैं। • जूठे बर्तन को कौन उठाता है व साफ करता है, इसके बारे में बताते हैं। • सामान्य विद्यालय और आवासीय विद्यालय में भोजन की व्यवस्था में क्या अंतर होता है, बताते हैं। • खाने की वस्तुओं को स्वाद के अनुसार सूचीबद्ध करते हैं। • पशु–पक्षियों के भोजन करने के खास तरीके (चबाकर, चूसकर, निगलकर) के आधार पर पशुओं का वर्गीकरण करते हैं। • दाँतों के विभिन्न प्रकार को पहचानते हैं। • अलग–अलग उम्र के बच्चों में दाँतों की संख्या के बारे में बताते है। • दाँतों की सफाई के प्रति सजगता रखते हैं।	• घरों में रोज बननेवाले भोजन और विशेष अवसर पर बनने वाले भोजन का सूचीकरण एवं चर्चा। • लंगर/भोज या विद्यालयों में भोजन पकाने–परोसने आदि के तरीकों से अवगत करवाना। • बच्चों से उनके घरों में हुए शादी/विवाह के भोज की कहानी अनुभव सुनाने को कहना/साझा करना। • मध्याह्न भोजन तैयार करनेवालों से बातचीत करना। • घरों में भोजन प्रायः कौन बनाते हैं तथा शादी/विवाह भोज में भोजन कौन बनाते हैं और क्यों से संबंधित प्रश्न करना।	

अधिगम प्रतिफल	अध्याय एवं शिक्षण बिंदु	अधिगम संकेतक	सुझावात्मक प्रक्रिया	अवधि(दिनों में)
Learning Outcomes	**Chapters and teaching points**	**Learning Indicators**	**Suggestive process**	**Duration (in Days)**
• वैवाहिक संबंधों या आजीविका हेतु किये जा रहे वास–स्थान में परिवर्तन की चर्चा करते हैं। • पारिवारिक वंशावली बनाते हैं। • विभिन्न प्रकार के पर्व–त्योहारों एवं उन्हें मनाने के तरीके पर चर्चा करते हैं।	9.जब मामाजी घर आए 10.छठ पर्व और बच्चें **शिक्षण बिन्दु** • रिश्ते–नाते • परिवार की संरचना व सदस्यों की भूमिका • पारिवारिक वंशावली • वैवाहिक संबंध, जन्म के कारण, रिश्तों का गठन	**बच्चेः–** • परिवार के अन्य सदस्यों के साथ अपने संबंधों को बतलाते हैं। • निकट एवं दूर के रिश्तेदारों को पहचानते हैं। • विवाह एव जन्म के बाद बने रिश्तों को बताते हैं। • परिवार के प्रकार को बता सकते हैं।	**शिक्षक/शिक्षिका– बच्चों से/कोः–** • बड़े समूह में परिवार के सदस्यों के नाम, काम आदि पर बातचीत करना/कराना। • व्यक्तिगत रूप से निकटतम रिश्तेदारों के नाम सूचीबद्ध करवाना। • नानी घर, दादी घर, विवाहित बहन–भाई से विकसित नये संबंधों की	10 दिन

• परिवार में जन्म, विवाह, स्थानांतरण आदि से होनेवाले परिवर्तनों की व्याख्या करते हैं। • परिवार का प्रभाव (गुणों, लक्षणों, आदतों, एवं व्यवहार) एवं साथ रहने की आवयकताओं का वर्णन करते हैं।	• अर्थोपार्जन के लिए वास–स्थान का परिवर्तन • परिवार में निर्णय करने वाला व्यक्ति	• पारिवारिक वंशावली बनाते हैं। • वैवाहिक संबंधों के आधार पर हुए स्थान परिवर्तन या वास–स्थान में हुए परिवर्तन में लैंगिक (जेन्डर) पक्ष पर बच्चे जिज्ञासा व्यक्त करते हैं। • विभिन्न पर्व/त्योहारों के बारे में बताते हैं। • उत्सवों पर परिवार के सदस्यों के पारस्परिक सहयोग के बारे में बताते हैं।	चर्चा करना। • अर्थोपार्जन हेतु एक स्थान पर लोगों के जाने का चर्चा करना। • पारिवारिक वंशावली तथा उसके बनाने के तरीकों पर चर्चा करना। • बच्चों के घरों में मनाये जानेवाले पर्व/त्योहारों या आयोजित उत्सव पर बातचीत करना। • विभिन्न पर्व/त्योहारों की विशेषताओं, खूबियों तथा कमियों पर चर्चा करना।	

अधिगम प्रतिफल	अध्याय एवं शिक्षण बिंदु	अधिगम संकेतक	सुझावात्मक प्रक्रिया	अवधि(दिनों में)
Learning Outcomes	**Chapters and teaching points**	**Learning Indicators**	**Suggestive process**	**Duration (in Days)**
• विभिन्न प्रकार के घरों तथा उनमें लगनेवाली निर्माण–सामग्री के बारे में बताते हैं। • ग्रामीण घरों और शहरी घर के अंतर और उसके कारणों की व्याख्या करते हैं। • दैनिक जीवन के विभिन्न कौशल युक्त कार्यों, भवन निर्माण आदि का वर्णन करते हैं।	21.तरह–तरह के घर 22.अजय जब गाँव लौटे **शिक्षण बिन्दु** • घर की आवश्यकता • आवास/घर के प्रकार एवं निर्माण में लगनेवाली सामग्री • घर के विभिन्न हिस्से • समय के साथ घरों में आये बदलाव • ग्रामीण एवं शहरी घरों में अंतर • बहुमंजिली इमारतें • आधुनिक घर की सुविधाएँ • भवन निर्माण हेतु सामग्री एवं उपकरण • विभिन्न प्रकार की पुल–पुलिया • ईंट–भट्ठा तथा इसका वातावरण एवं सामाजिक प्रभाव	**बच्चेः–** • घर के बारे में बताते हैं। • घरों के प्रकार के बारे में बातचीत करते हैं जैसेः– मिट्टी का घर, पक्का का घर, फूस का घर और खपरैल का घर। • घर की जरूरतों के बारे में बताते हैं। • घर बनाने में लगनेवाली सामग्री जैसेः– ईंट, मिट्टी, गारा, सीमेंट, छड़ आदि की चर्चा करते हैं। • पुराने समय में बनने वाले घरों एवं उसकी निर्माण सामग्री के बारे में बातचीत करते हैं। • ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के घरों में अंतर और उसके कारणों की व्याख्या करते हैं। • बच्चे पुराने एवं नये घरों एवं उनमें हो रहे बदलावों पर बातचीत करते हैं। • बच्चे मकान निर्माण संबंधी यंत्रों और औजारों को पहचानते है तथा उनका उपयोग जानते हैं।	**शिक्षक/शिक्षिका– बच्चों से/कोः–** • बड़े समूह में घरों की जरूरत/प्रकार आदि पर बातचीत करना। • घर के विभिन्न हिस्सों के बारे में बड़े समूह के बातचीत तथा छोटे समूहों में उनके कार्यों के बारे में लिखवाना। • अलग–अलग स्थान या अलग–अलग वातावरण वाले स्थानों पर बननेवाले घरों के चित्रों का प्रदर्शन। • शहरी तथा ग्रामीण मकानों के चित्र के आधार पर अंतर का प्रदर्शन तथा चर्चा। • पुराने समय के घरों तथा आधुनिक समय में बनने वाले घरों में समानता तथा अंतर पर चर्चा करना। • पुल–पुलियों की उपयोगिता पर चर्चा करना। • ईंट–भट्ठे पर माता–पिता के साथ रहनेवाले काम करने वाले बच्चों के स्वास्थ्य शिक्षा आदि की चर्चा करना।	10 दिन

पर्यावरण अध्ययन

लेखन

नाम	विद्यालय/संस्थान का नाम
विकास कुमार	मध्य विद्यालय माधोपुर अंचल–चन्द्रमण्डी, जमुई
अशोक कुमार	उत्क्र0 म0 वि0 नगदेवा, बरहट, जमुई
हरिदास शर्मा	राजकीयकृत मध्य विद्यालय डहरक अंचल– रामगढ़, कैमूर
मृत्युजंय पाण्डेय	उत्क्र0 म0 वि0 करजॉव चैनपुर, कैमूर

अकादमिक सहयोग–राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद् बिहार के संकाय सदस्य

- डा0 किरण शरण, संयुक्त निदेशक (डायट)–सह–विभाग प्रभारी, भाषा एवं सामाजिक विज्ञान
- डा0 रशिम प्रभा, विभाग प्रभारी, विज्ञान एवं गणित शिक्षा विभाग
- डा0 रीता राय, विभाग प्रभारी, अध्यापक शिक्षा विभाग
- डा0 वीर कुमारी कुजूर, विभाग प्रभारी शिक्षण शास्त्र, पाठ्य चर्चा एवं मूल्यांकन विभाग
- श्री रामविनय पासवान, विभाग प्रभारी, दूरस्थ शिक्षा विभाग
- डा0 स्नेहाशीष दास, विभाग प्रभारी, विद्यालयी शिक्षा विभाग
- डा0 राधेरमण प्रसाद, विभाग प्रभारी, शारीरिक कला एवं क्राफ्ट विभाग
- डा0 राजेन्द्र प्रसाद मंडल, विभाग प्रभारी, शोध, योजना एवं नीति विभाग
- श्री तेजनारायण प्रसाद, व्याख्याता, विज्ञान एवं गणित शिक्षा विभाग
- डा0 अर्चना, विभाग, शिक्षा मनोविज्ञान विभाग
- श्रीमती विभा रानी, समन्वयक, जनसंख्या शिक्षा कोषांग
- श्रीमती आभारानी, सम्प्रति व्याख्याता, एस0 सी0 ई0 आर0 टी0., पटना